Chapter- 4

तितली की सीख (कविता)

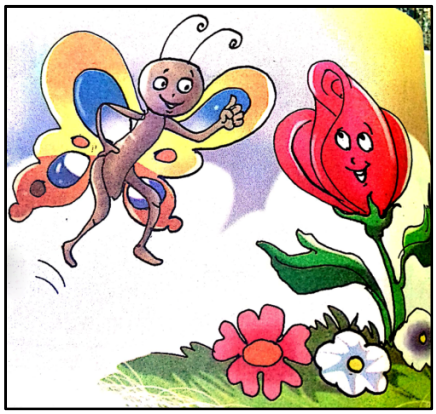

STUDY NOTES

बहुत समय पहले की बात है, एक नन्हीं सी तितली एक दिन खुश होकर खुली हवा में बड़े प्यार से इधर-उधर उड़कर घुम रही थी, उसके पंख बहुत सुंदर तथा सजीले थे। वह नन्ही प्यारी सी तितली उड़कर एक बगीचे में जा पहुँची, उसने बगीचे में बहुत सुंदर रंग-बिरंगी फूलों की कलियों को देखा, और जाकर एक सुंदर नन्ही सी कली के ऊपर बैठकर जैसे ही उसका रस पीना चाहा तुरंत वह नन्ही सी कली बोली अरे अरे तितली बहन यह तुम क्या कर रही हो, तितली ने कहा में तुम्हारा मीठा रस पीना चाहती हुँ। यह सुनकर नन्ही कली बोली देखो बहन में तो अभी सो रही हुँ। तुम मुझे मत परेशान करो। तुम कोई दुसरी खिली हुई कली के पास जाओ।

यह सुनकर नन्हीं सी तितली बोली कली बहन तुम आलस करना छोड़ दो, सुबह जल्दी उठकर देखो, हमारी यह प्यारी सी दुनिया कितनी रंग-बिरंगी, और सुंदर है। नन्हीं सी तितली कली बहन को यह सीख देकर दुर आसमान में उड़ गई।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

कविता की सच्ची सीख:

जो लोग आलस करने में सारा समय बर्वाद कर देते हैं, वे जीवन में कभी भी आगे नहीं बढ सकते हैं। इस बजह से हमें आलसी ना बनकर मेहनती बनकर जीवन में आगे बढना चाहिए।

कविता की रोचक बातें:

- हमेशा अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए।
- हमें आलस को अपने से दूर भगाना है।
- हमें मेहनती बनना है।
- आलस करने से दिन का उपयोगी समय बेकार चला जाता है।
- हमें हमेशा समय का सही उपयोग करना चाहिए।

नए शब्द तथा उनके अर्थ:

(१) सीख – सबक
(२) त्याग- छोडना
(३) उपयोगी- किसी काम में आनेवाली
(४) कार्य- काम
(५) उड़कर- उडना
(६) सताओ- परेशान करना
(७) ढूँढो- खोजना
(८) दुनिया- संसार
(९) देखो- देखना
(१०) नन्ही- छोटि सी
(११) रंग-बिरंग- अलग-अलग रंग के

लिखित:

१. **कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए-**

क) संग हवा के उड़ी चली
रंग-बिरंगी इक तितली

ख) तितली बोली 'आलस छोडो।
बंद पँखुड़ी अपनी खोलो।

ग) देखो दुनिया कितनी सुंदर
रंग-बिरंगी, चमकीली

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

२. **प्रश्नों के उतर लिखिए।**

क) तितली किसके साथ उड़ चली ?
उ: तितली हवा के साथ उड़ चली।
ख) तितली के पंख कैसे थे ?
उ: तितली के पंख सुंदर तथा रंग-बिरंगी थे।
ग) तितली कहाँ जा बैठी ?
उ: तितली नन्ही सी कली पर जा बैठी।
घ) तितली ने कली से क्या छोड़ने के लिए कहा ?
उ: तितली ने कली से आलस छोड़ने के लिए कहा।

३. **मूल्यपरक प्रश्न।**

क) आलसी बच्चे परीक्षा में कुछ नहीं कर पाते। क्या आप इस विचार से सहमत हैं?

उ: आलसी बच्चे परीक्षा में कुछ नहीं कर पाते हैं। जी हाँ हम इस विचार से बिलकुल सहमत हैं, क्योंकी आलसी बच्चे परीक्षा से पहले अपने विषय की तैयारी में ध्यान ना देकर अपना पूरा समय बेकार की कामों में लगा देते हैं। जिसका नतीजा उन्हें परीक्षा के दिनों में पता चलता है, जब वे किसी सवाल का जबाब नहीं लीख पाते हैं।

ख) आलस छोड़ने से बच्चे क्या-क्या कर पाते हैं?

उ: आलस छोड़ने से बच्चे अपने जीवन में बहुत कुछ कर सकते हैं, जैसे-

- मेहनती बन सकते हैं।
- समय का सही उपयोग कर सकते है?
- ईमानदार बन सकते हैं।
- जीवन में आगे बढ सकते हैं।

४. भाषा ज्ञान (वर्ण-विच्छेद)

क) न् + ही = न्ही – नन्ही

ख) प् + य = प्य – प्यारी

ग) ज् + य = ज्य – ज्योंहि

घ) स् + य = स्य – आलस्य

५. निम्नलिखित शब्दों को सही जगह पर लिखिए।

(तितली, कलियाँ, पँखुडी, ड़ालियाँ, एक, क्यारियाँ)

उ:

एकवचन	**बहुवचन**
एक	कलियाँ
तितली	पँखुड़ी
	ड़ालियाँ
	क्यारियाँ

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

६. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए।

क) पर – पंख, पक्ष, डैना, पखोटा, पाँख

ख) फूल – पुष्प, सुमन, गुल, कुसुम

ग) हवा – वायु, पवन, समीर, मारूत

घ) दुनिया – जग, जगत, संसार, भव, जहान, खलक

ङ) बगिचा – बाग, उपवन, वाटिका, बगीचा, फुलवारी

च) आलस – सुस्थ, मंद, टीला, कामचोर, निखट्टू, निकम्मा

७. सोचिए और बताइए।

क) तितली किस-किस रंग की होती है ? रंगों के नाम लिखिए।

उ: तितली अनेक रंगों की होते है, जैसे- लाल, हरे, नीले, पीले, काले, सफेद।

ख) अगर आप तितली होते तो क्या करते ?

उ: अगर हम तितली होते तो खुशी से दुर गगन में उड़ते-फिरते और चारों और खुशियाँ ही खुशियाँ बाँटते।

८. अतिरिक्त प्रश्न उत्तर लेखन।

क) नन्हीं तितली उड़कर कहाँ पहुँची ?

उ: नन्हीं तितली उड़कर बगिचा में पहुँची।

ख) कली किसके साथ लगी हुई थी ?

उ: कली एक ड़ाली पर लगी हुई थी।

ग) तितली कैसी थी ?

उ: तितली छोटी और सुंदर थी।

घ) तितली कली पर क्यों बैठी थी ?

उ: तितली कली पर उसका रस पीने के लिए बैठी थी।

ङ) कली क्या करना चाहती थी ?

उ: कली सोना चाहती थी।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

च) किसने कली से आलस छोड़ने के लिए कहा ?

उ: तितली ने कली से आलस छोड़ने के लिए कहा।

छ) कली के पंख कैसे थे ?

उ: कली के पंख बंद थे।

ज) हमारी दुनिया कैसी है ?

उ: हमारी दुनिया बहुत सुंदर है।

झ) कौन किससे दूर जाती है ?

उ: तितली रानी कली बहन से दूर जाती है।

ञ) कली बहन तितली रानी से क्या ढूँढने के लिए कहती है ?

उ: कली बहन तितली रानी से खिली हुई कली ढूँढने के लिए कहती है।

♦♦♦

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow